सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-542
06/11/2017

मुख्यमंत्री के लोक संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पटना, 06 नवंबर 2017 :– आज 1 अणे मार्ग स्थित लोक संवाद में लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य, भवन निर्माण, ऊर्जा, ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, नगर विकास एवं आवास, पंचायती राज, जल संसाधन, लघु जल संसाधन, उद्योग, गन्ना उद्योग, विज्ञान एवं प्रावैधिकी, सूचना प्रावैधिकी एवं पर्यटन विभाग से संबंधित मामलों पर छह लोगों द्वारा मुख्यमंत्री को अपना सुझाव दिया गया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में मोतिहारी से श्री कुमार कौशल, पटना से श्री स्वदेश प्रसाद गुप्ता, सहरसा से श्री मनीष कुमार, पटना से रेशमा प्रसाद, मधुबनी से श्री भुवनेश्वर यादव एवं पटना से श्री अनुज कुमार ने अपने–अपने सुझाव एवं राय मुख्यमंत्री को दिये। प्राप्त सुझाव एवं राय पर संबंधित विभाग के प्रधान सचिव/सचिव ने वस्तुस्थिति को स्पष्ट किया। लोगों से प्राप्त सुझाव एवं राय पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, ऊर्जा मंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री विनोद नारायण झा, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री शैलेश कुमार, नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री सुरेश शर्मा, पंचायती राज मंत्री श्री कपिलदेव कामत, भवन निर्माण मंत्री श्री महेश्वर हजारी, लघु जल संसाधन मंत्री एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री दिनेश चन्द्र यादव, गन्ना उद्योग मंत्री श्री खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, विकास आयुक्त श्री शिशिर सिन्हा, प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव उपस्थित थे।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम के पश्चात पत्रकारों द्वारा आउटसोर्सिंग में रिजर्वेशन दिए जाने के प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि जहॉ तक आउटसोर्सिंग से भर्ती में आरक्षण का सवाल है, यह बिहार के रिजर्वेशन एक्ट के अनुरूप है। हमलोग आरक्षण से संबंधित बनाए गए प्रावधानों के अंतर्गत ही काम कर रहे हैं। आउटसोर्सिंग के जरिए सरकार अपने काम के लिए लोगों को बहाल कर रही है। जिसके लिए सरकारी राजकोष से उस कंपनी को धन मुहैया कराया जाता है। स्वाभाविक है कि सरकार के धन का उपयोग करेंगे तो रिजर्वेशन एक्ट को मानना पड़ेगा। चाहे कॉन्ट्रेक्ट हो चाहे आउटसोर्स हो दोनों में रिजर्वेशन को फॉलो किया जाता है। 2006 में पुलिस की कमी के चलते एक्स आर्मी मैन को सैप नाम से बहाल किया गया था उसमें भी आरक्षण के नियमों का पालन किया गया था। आरक्षण के मूल प्रावधानों को जो लोग समझेंगे उनके मन में किसी प्रकार का भ्रम नहीं रहेगा। निजी क्षेत्रों में आरक्षण मिलने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों की

व्यक्तिगत राय है कि आरक्षण मिलना चाहिए। इस पर डिबेट करने की जरुरत है, इसका निर्णय संसद को लेना है।

जदयू–राजद में निम्नस्तरीय आरोप–प्रत्यारोप पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने अपने 43 वर्षों के राजनैतिक जीवन में कभी कोई घटिया बातचीत नहीं की है। कभी किसी पर आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की है। मैं उतने घटिया स्तर पर अपने आपको नहीं ले जा सकता, वो मेरा स्तर नहीं है। मैं अपने प्रवक्ताओं को भी कह दिया है कि मुझसे से संबंधित जो कोई भी घटिया किस्म की बात करे उसका जवाब वो न दिया करें। जो निम्नस्तरीय बात कर रहे हैं वो परेशान लोग हैं, विक्षिप्त लोग हैं, सत्ता से वंचित लोग हैं। बड़े भाई के मुंह से अगर जिस भी नियत से कहा गया है, राजगीर में मेरी समाधि बनेगी तो इससे अच्छी बात और क्या होगा। राजगीर मगध की राजधानी रही है, जरासंध का अखाड़ा रहा है। मेरा वहां के पर्यावरण, इतिहास से लगाव रहा है। जब मॉ की गोद में था तब से मैं वहां जाया करता था। यह तो मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हमलोगों ने जो भी निर्णय लिया, बिहार के हित में निर्णय लिया। यह चार साल पहले का पुराना गठबंधन ही है। जिस प्रकार सरकार चल रही थी और काम करने में परेशानी हो रही थी। शराब माफिया, बालू माफिया, लॉ एंड ऑर्डर को मेंटेन करने में काफी परेशानी हो रही थी। बिहार की सेवा, देश की सेवा है, जब तक बिहार की जनता चाहेगी सेवा करता रहूँगा। 21 जनवरी 2017 को मानव श्रृंखला में जिस समय हाथ मिलाकर खड़े थे उस समय शराबबंदी बढ़िया था और आज खराब हो गया ? जो बालू के गैरकानूनी तरीके से लिप्त थे वो तो चिल्लाएंगे ही लेकिन पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बालू के बिक्री के लिए कॉरपोरेशन बना है, उसके लिए होलसेल बिक्री की व्यवस्था की गई है।

घोटाले के संबंध में जवाब देते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि शौचालय घोटाले को उजागर करने वाले हमारे पटना के डी0एम0 हैं, जबकि भागलपुर में सृजन घोटाले को उजागर करने वाले भागलपुर के डी0एम0 हैं। हमारे प्रशासन ने, हमारी सरकार ने सृजन घोटाले को उजागर किया, तुरंत संज्ञान में लिया गया, कार्रवाई किया और सी0बी0आई0 को सुपुर्द कर दिया। कोई गड़बड़ी करने वाला बचेगा नहीं, चाहे नेता हो, चाहे कोई अधिकारी हो। क्यों नहीं भ्रष्टाचार के पुरोधा ने इसे उजागर किया। जिसके लिए आपलोगों को हमलोगों की प्रशंसा करनी चाहिए, उसके लिए हम ही से प्रश्न पूछा जा रहा है। सात निश्चय, सड़क, सिंचाई परियोजना में प्रगति की बातें लिखी जानी चाहिए। हमलोग विकास में लगे हुए हैं। गाली–गलौज को महत्व देने की जरुरत नहीं है, जिनको जो बोलना है बोलते रहें। सोशल रिफॉर्म में लगे हुए हैं। 21 जनवरी 2018 को सबसे बड़ी मानव श्रृंखला दहेजबंदी और बाल विवाह के खिलाफ बनायी जाएगी। कोई गलती करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा, कानून तोड़ेगा तो कानून के कठघड़े में होगा। यही तो रुल ऑफ लॉ है। कोई भी दावा नहीं कर सकता है कि एडमिनिस्ट्रेशन में दूध का सब धुला हुआ है। हर की मानसिकता अलग–अलग है। कोई यहां दावा नहीं कर सकता है कि रुल ऑफ लॉ में रुल ब्रेकर नहीं मिलेगा लेकिन कोई भी बचेगा नहीं। हमारे पदाधिकारी जो अच्छे काम कर रहे हैं, उसे प्रशंसा मिलनी चाहिए। जिस तरह की घटनाओं के बाद हमारे यहां कार्रवाई हो रही है, उसकी तुलना देश के विभिन्न हिस्से से कर के देखिए।

जी0एस0टी0 एवं नोटबंदी के खिलाफ विरोधियों द्वारा नोटबंदी के एक साल पूरे होने पर 8 नवंबर को विरोध दिवस के रुप में मनाने के संकल्प पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सबको अपने–अपने तरीका से सोचने की आजादी है। क्या उन्हें ये पता नहीं है कि जी0एस0टी0 का प्रस्ताव यू0पी0ए0 सरकार के समय में ही आया था। पहले वैट लाए, फिर जी0एस0टी0 की तरफ बढ़े। हम शुरु से ही इसके पक्ष में रहे हैं। तीन दिन पहले ही हमलोगों

ने जी0एस0टी0 की समीक्षा की है, जिसमें लोगों को जागरुक बनाना, ट्रेडर्स, करदाताओं को होने वाली परेशानियों में सुधार के लिए उसके निदान की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकार इसमें आने वाली परेशानियों को दूर करने में लगी हुई है। एक नई व्यवस्था है जिसको और आसान बनाया जा रहा है। जी0एस0टी0 काउंसिल में हमारे वित्त मंत्री श्री सुशील कुमार मोदी जी जाते हैं और अपनी बातों को रखते हैं। नोटबंदी के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि कालाधन पर चोट होगा, अभी तो शुरुआत हुई है। जो इसमें लिप्त हैं वो परेशान होंगे ही। गुजरात के पाटीदारों को आरक्षण के स्टैंड पर मुख्यमंत्री कहा कि वे अपने पुराने स्टैण्ड पर कायम हैं। अग्रेरियन क्राइसिस को ठीक से समझने की जरुरत है। जो पहले विरोध करते थे आज वही उसकी मांग कर रहे हैं।

******